चित्र-वर्णन

चित्र-वर्णन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

I)चित्र को दो-तीन बार ध्यान से देखना चाहिए।

ii)चित्र के मूलभाव को समझने का प्रयास करना चाहिए।

iii)चित्र में समाहित कथ्य का प्रारूप तैयार करना चाहिए।

iv)लिखने से पूर्व विचारों को चित्र के अनुसार क्रमबद्ध कर लेना चाहिए।

v)वाक्य छोटे, सरल और विषयानुकूल होने चाहिए।

vi)भाषा स्पष्ट, सरल, रोचक और प्रभावपूर्ण होनी चाहिए।

vii)चित्र-वर्णन मुख्य रूप से वर्तमान काल में करना चाहिए।

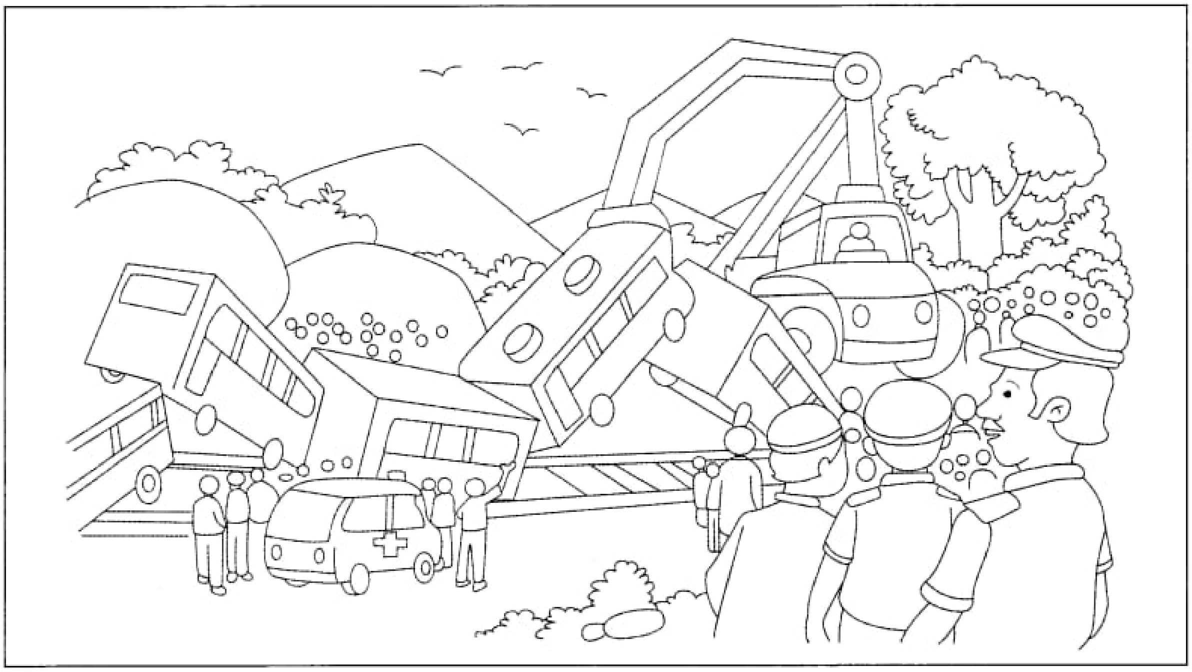

पटरी पर पलटी रेलगाड़ी के डिब्बे क्रेन उठाती हुई कुछ डिब्बे और आसपास खड़े लोग और पुलिस यह चित्र दुर्घटनाग्रस्त रेलगाड़ी का है। रेलगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। कई डिब्बे इतने पिचक गए हैं कि उन्हें काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा। पुलिस घायलों को अस्पताल पहुँचा रही है। क्रेन से डिब्बों को सीधा किया जा रहा है। आसपास खड़े लोग दुखी हैं।

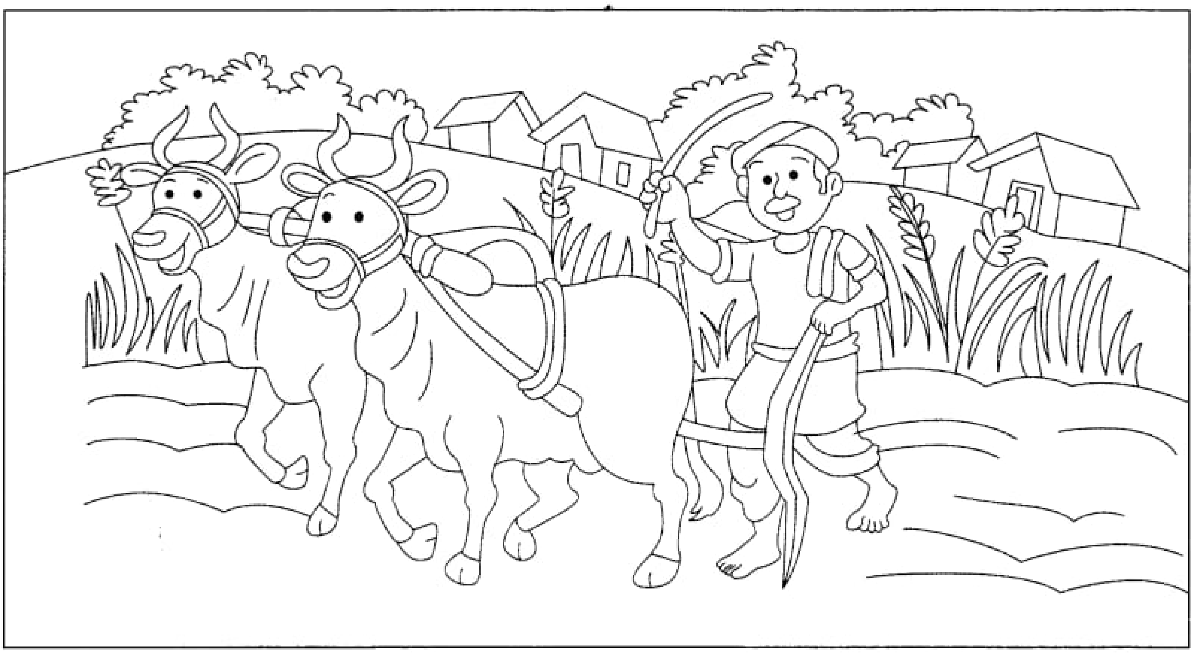

यह भारतीय किसान का चित्र है। किसान परिश्रम एवं सरलता की मूर्ति होता है। वह अपने कठोर परिश्रम से बंजर धरती को भी हरा-भरा बना देता है। किसान अनाज उगाकर दूसरों का पेट भरता है। उसका परिश्रमी जीवन देखकर ही हमारे पूर्व प्रधानमंत्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया था।

यह चित्र 'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित है। लोग अपने आसपास साफ़-सफ़ाई रखने के लिए हाथों में झाड़ उठा लिया है। वे कूड़ा उठाकर डस्टबिन में डाल रहे हैं। बच्चे इस अभियान को सफल बनाने के लिए अति उत्साहित हैं। ऐसा हम सबको हर समय करना चाहिए ताकि हमारा देश स्वच्छ हो और लोग स्वस्थ हों।

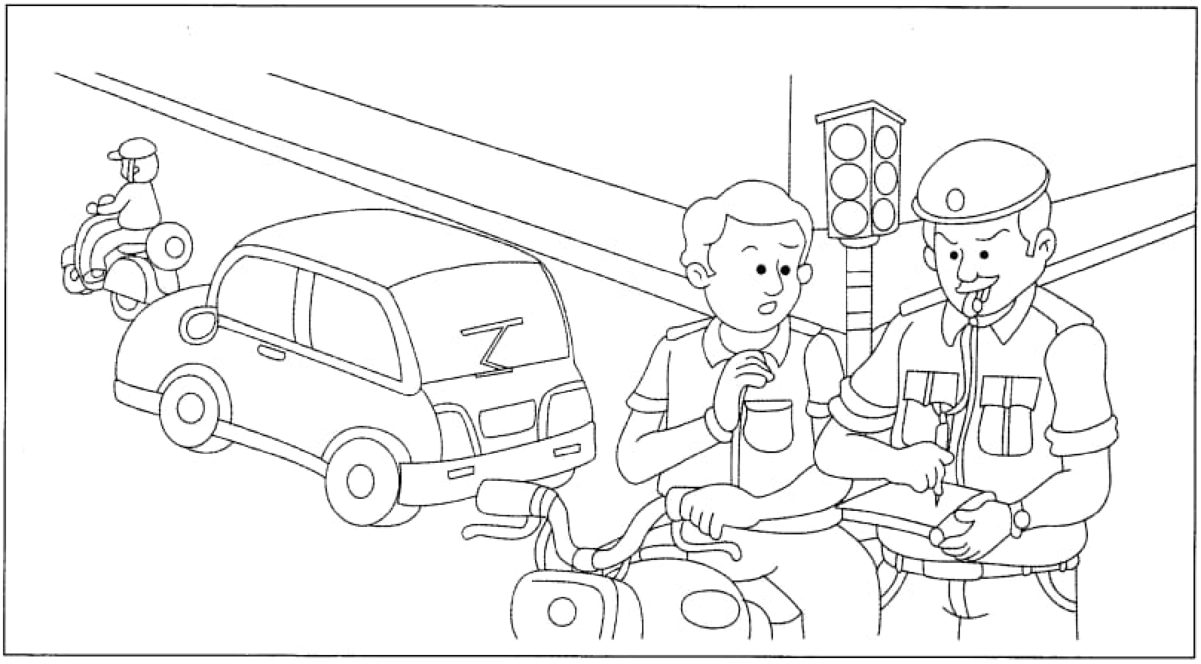

इस चित्र में कोई युवक बिना हेलमेट लगाए मोटरसाइकिल चला रहा है। उसने लालबत्ती की परवाह नहीं की और बिना रुके चौराहा पार कर गया। सड़क सुरक्षा कानून का इस तरह उल्लंघन करने के कारण ट्रैफिक पुलिस वाला उसका चालान काट रहा है।

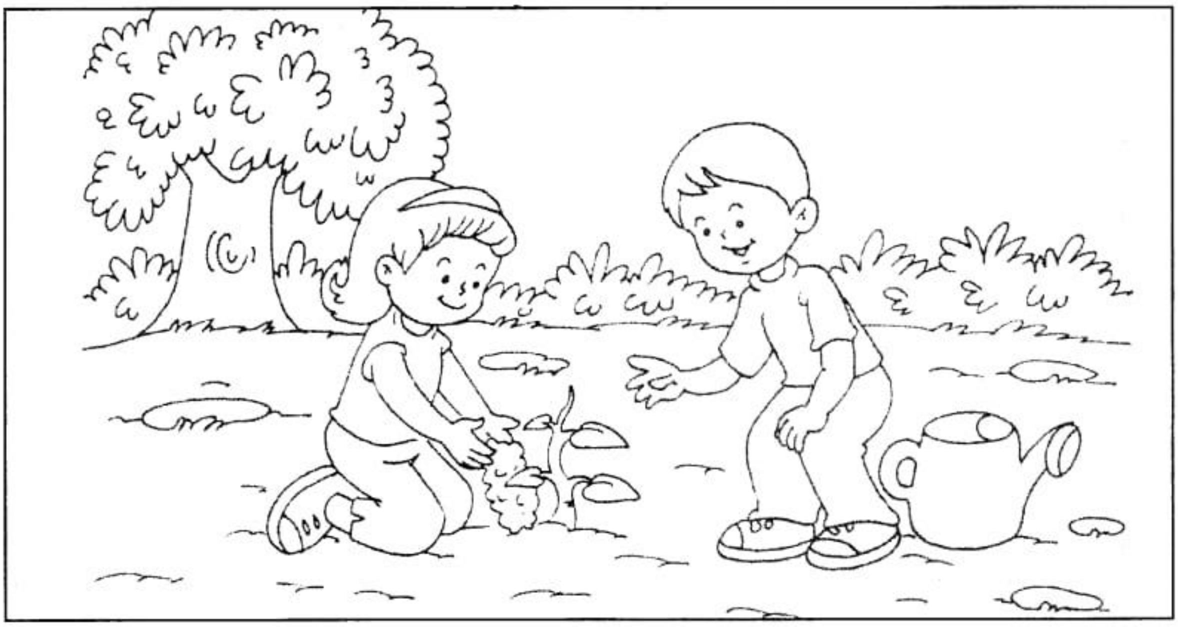

यह चित्र वृक्षारोपण का है। पर्यावरण के प्रति सजग कुछ बच्चों ने पार्क को हरा-भरा बनाने का जिम्मा उठाया है। इनके इस कार्य में प्रकृति भी उनका साथ दे रही है। बच्चे पौधों को लगाने के साथ उनकी रक्षा के लिए कटिबद्ध हैं।

यह चित्र किसी बस अड्डे का है। लोग यहाँ से अपने गंतव्य को आते-जाते हैं। यहाँ बस आते ही चहल-पहल बढ़ जाती है। टिकट बाबू टिकट देने के लिए यात्रियों का इंतज़ार कर रहा है। यहाँ समाचार-पत्र, पानी की बोतलें, खाने के लिए तरह-तरह की वस्तुएँ मिलती हैं।